

11/3/25

यावत्नी वाली आदेशा मसुदा हुई।

मशरूफा निम्न प्रकार है..

वाडीवाण द्वारा एक बार अन्तर्गत मशरूफा

88, 89, 53 व 188 नामान्वयन काबुलपायी

अभिप्रेतयन इत्य बाबत मसुदा किया गया है

कि -

★ प्रसकारान एक ही परीवार के रखरखा है।

★ मदीवाडी हुक्म. 1 प्रोकरलाज के-रवादी के

ग्राज देवनवार उर्फ बीरनलाई से सं. सं. 11

की 2.96 मूद आरामी मीयन है। यह मूद

मूदि प्रोकरलाज को देग बटा पन्ना रक

यावल हुई थी तथा लिखका नामान्वयन

दिनांक 22/12/1944 को तदर्थीन द्वारा

तदर्थीन किया गया।

★ प्रोकरलाज मी के रवाने में मी आरामी

रक है, वह उबकी मूद-मों की रखरखा

है तथा उरखे प्रोकरलाज मी के मुजा

तथा मुजियों का मन्ज रक ही प्रोकरलाज मी

के रखरखन ही अधिका है।

★ मूदि प्रोकरलाज मी के नाम रक दीने से

प्रोकरलाज मी अनोपहन नीट पर उरखन

आरामी को मुदि. मुदि करन के प्रयास से

अधिकारी



उचित हो, व  
"उचित"।

वाइज्ज दल कर प्रतिवा  
किया गया।

प्रतिवादी कुम। व 2 द्वारा  
प्रस्तुत किया गया, जो शास्त्र

प्रतिवादी कुम 2 द्वारा प्रार्थन  
आदेश 7 कि

क. 1. क.

विवाहिन आराम्नी में कायनन का  
वाडीजाण का 11/10-11/10 तथा 11/10 का  
11/10-11/10 विरामा नीदिन है।

\* वाडीजाण को भी भकार प्राप्त है।  
न्यायालय की दरपना के विवाहिन  
आराम्नी में प्रत्येक का 11/10-11/10 अकमि  
दरपना वाडीजाण 8/10 विरामा प्रीषिन  
करवाकर तथा बँडवारा करकर अपन  
दिरामा अलग करवा वें।

प्रार्थना:- वाडीजाण द्वारा वादपना प्रस्तुत  
कर निवेदन किया गया है कि - "  
वाडीजाण के पक्ष में तथा प्रतिवादी  
के विरुद्ध दल अग्रथ की डिडी पादि  
की लार्ड कि राज प्रेदनार की ल. 3.  
1 की 2. 96 मत प्रीमि में प्रत्येक वाडी  
का 11/8-11/8 विरामा प्रीषिन किया लार्कर  
आराम्नी का विवाहिन किया लार्डे तथा  
वाडीजाण के विरामे प्री वृव प्रीमि 8/10  
दिरामा वाडीजाण के अलग दर प्रवादि  
दरम दिया लार्ड तथा अन्य कोडि प्री  
दरपना लार्ड करवाण की रगी प्रीषीयों

उपरोक्त अधिकारी



विवाह  
प्राप्त है कि  
नहीं है।  
नया मालिका

न जो इन्तित हो, वादीगण को दिव्यापी  
जावे।"

- ⇒ वादपत्र दर्ज कर प्रतिवादीगण को नखब  
किया गया।
- ⇒ प्रतिवादी कुम 1 व 2 द्वारा जवाब देना  
प्रस्तुत किया गया, जो प्रामाणिक प्रमाणित है।
- ⇒ प्रतिवादी कुम 2 द्वारा प्रार्थनापत्र अन्तर्गत  
आदेश 7 नियम 11 CPC प्रस्तुत कर  
निवेदन किया गया कि -

- \* वाद में वर्णित विवाहित आशाली  
को प्रतिवादी कुम 1 शंकरलाल द्वारा  
अपने जीवनकाल में ही बंचान कर  
दी गई तथा दोराने वाद दिनांक 3/11/16  
को शंकरलाल को मृत्यु हो चुकी है।

- \* सनसत वादीगण तथा प्रतिवादी (2)  
प्रतिवादी (1) शंकरलाल के वारीदान है  
जो वाद में पूर्ण रूप ही प्रमाणित है।  
अतः प्रतिवादी (1) शंकरलाल के  
कायम मुकामत की रिकॉर्ड पर प्रमाणित  
है।

- \* वाद में वर्णित सनसत आशाली को  
बंचान प्रतिवादी कुम (1) शंकरलाल

अधिकारी



नम्बर  
शेरा  
7

डोगा अपने जीवनकाल में  
दि-जाने से उक्त वार्ड में  
वार्ड कारण प्रोष नहीं रहा है।

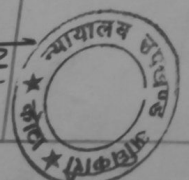
\* वार्ड कारण से अभाव में वापस  
रवाहील कि ये जाने योग्य है।

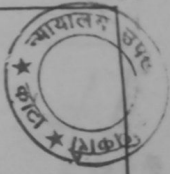
\* प्रतिवादी ② औपचारिक पत्रकार  
है जिससे वादीगण डोगा को  
रिलीफ नहीं चाही गई है। विवाहित  
आराम्नी में प्रतिवादी ② का उतना  
ही दिहला था, जितना कि उक्त  
वादीगण का था।

\* मुंकि उक्त सचूर्ण आराम्नी का  
बचान प्रतिवादी ① श्रीरलाल  
डोगा अपने जीवन रहते ही कर  
दिया गया था तथा वर्तमान में  
कोई आराम्नी श्रीरलाल के नाम  
रामाव रिकर्ड में दर्ज नहीं है, जिसका  
दिहला वादीगण प्राप्त कर सके।

\* वार्ड में प्रतिवादी ① से वादीगण  
डोगा को रिलीफ चाही गई थी वह

उपखण्ड अधिकारी  
को,





प्रतिवादी छत्र ① में सुन्दरु पत्र-पत्र  
समाख्य हो गई है। विवाहिन आकाश  
का पूर्व में बचान हो चुका है, निम्न  
वादपत्र में कोई वादकारण शेष नहीं  
है। वाद कारण के अभाव में उक्त  
वाद चलने योग्य नहीं है।

प्रार्थना - प्रतिवादी छत्र ② द्वारा उक्त  
प्रार्थनापत्र समूह का निवेदन किया  
गया है कि उक्त प्रार्थनापत्र स्वीकार  
कर वाद कारण के अभाव में वादपत्र  
का रवालि किए जाने के आदेश  
प्रदान किये जायें।

⇒ प्रतिवादी छत्र ② द्वारा समूह प्रार्थनापत्र  
अन्तर्गत 07 R.11 CPC दर्ज का वादीगण  
का अभाव समूह करने के परिणाम अक्षर  
प्रदान किये गए। लेकिन वादीगण द्वारा  
अभाव प्रार्थनापत्र समूह ना करने के कारण  
वादीगण का अभाव का अक्षर बन्द  
किया गया।

वहल प्रार्थनापत्र पर सुनी गई।

5  
मुम्बई अदालत  
को।

⇒ हमने पगावली व संपन्न दस्त  
आधोपाल अधययन किया तथा  
पर मन्त्रीत्वापूर्वक जनन किया।

⇒ हमने 07 R11 CPC से सहायमान  
मार्गदर्शन प्राप्त किया।

⇒ दोस्त कदम औभभाषक प्रतिवादी ②  
का कथन रहा है कि प्रतिवादी ① का  
वेदान्त ही चुका है, प्रतिवादी ① द्वारा  
अपने जीवनकाल में ही दस्तगत सहाय  
आराम्ही का बेचान किया जा चुका है,  
वाडीगण द्वारा किसी भी क्रेता का  
पत्रकार नहीं बनाया गया है, बिना क्रेता  
को चुने उनके विरुद्ध निर्णय पारित नहीं  
किया जा सकता। जिस विवाहिन आराम्ही  
बाबत वाद प्रस्तुत किया गया था, इसका  
बेचान हो जान तथा क्रेताओं का पत्रकार  
ना बनाने से वादकारण ही सहाय हो  
गया है। वादकारण के अभाव में उक्त  
वाद चलने योग्य नहीं है अतः प्रार्थनापत्र

किया जावे  
वाडीगण द्वारा  
07 R11

7  
सपथक अधिकारी  
का।



हकीमत किया जाकर वार रवारी  
किया जावे ।

वाडीगाण हुमा प्रार्थनापत्र अन्तर्गत  
१७२॥ CPC का अवाब प्रस्तुत ना कि  
आम से, प्रार्थनापत्र में वहीति नह्यो  
तथा विद्वान् श्रीमभासक अश्लील हुमा  
उहाये तह्यो का वाडीगाण की ओर से  
कोई प्रसीडर पत्रावली पर उपलब्ध वही है ।

⇒ हमारे विनम्र मत में वार काटण की  
अनुपस्थिति में प्रार्थनापत्र अन्तर्गत १७२॥  
CPC हकीमत किया जाना न्यायोचित है ।

⇒ अतः प्रतिवादी हुमा ② हुमा प्रस्तुत  
प्रार्थनापत्र अन्तर्गत १७२॥ CPC  
हकीमत किया जाकर वाडीगाण हुमा  
प्रस्तुत वार अन्तर्गत चारा ४४, ४९, ५३,  
व १४४ राजस्थान काउन्सिली क्रोडिबल  
रवारीन किया जाना है ।

⇒ डिडी पर्ची पृथक् से जारी है ।  
⇒ पत्रावली प्रेमल मुगाट होकर जारी  
उत्तर है ।

